SAMPLE QUESTION PAPER - 2

Hindi B (085)

Class IX (2024-25)

निर्धारित समय: 3 hours **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश:

- इस प्रश्नपत्र में चार खंड हैं - क, ख, ग और घ
- खंड क में अपठित गदयांश से प्रश्न पूछे गए हैं, जिनके उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए दीजिए।
- खंड ख में व्यावहारिक व्याकरण से प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
- खंड ग पाठ्यपुस्तक पर आधारित है, निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।
- खंड घ रचनात्मक लेखन पर आधारित है आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
- प्रश्न पत्र में कुल 17 प्रश्न हैं, सभी प्रश्न अनिवार्य है।
- यथासंभव सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड क - अपठित बोध

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।** **[7]**

मालवीय जी के नाम का विशेषण 'महामना' अपने-आप में उनके व्यक्तित्व के अनेक पहलुओं को स्पष्ट कर देता है। उनके मन में विशेषकर गरीबों व शोषितों के लिए अतिरिक्त स्थान था। बापू ने अपनी 'आत्मकथा' में मालवीय जी को 'भारतभूषण' कहा है। विशालता और रसमयता दो ऐसे गुण उनमें थे, जो उन्हें अपने समय के अन्य महापुरुषों से अलग करते हैं। बाप ने लिखा है कि "जब कार्य करने के लिए आया, तो पहले लोकमान्य तिलक के पास गया। वे मुझे हिमालय से ऊँचे लगे। मैंने सोचा, हिमालय पर चढ़ना मेरे लिए संभव नहीं है। फिर मैं श्री गोखले के पास गया। वे मुझे सागर के समान गहरे लगे। मुझे लगा कि मेरे लिए इतनी गहराई में पैठना संभव नहीं है। अंत में, मैं मालवीय जी के पास गया। मुझे वे जल की स्फटिक निर्मल धारा के समान लगे और मैंने उस पवित्र धारा में गोता लगाने का निश्चय किया।"

1. मालवीय जी को मिले दो उपनाम (विशेषण) लिखिए। (1)
   (क) मालवीय जी, भारतभूषण
   (ख) महामना, भारतभूषण
   (ग) महामना, लोकमान्य
   (घ) महामना, निर्मल

2. 'पवित्रधारा' में पवित्र शब्द व्याकरण की दृष्टि से क्या है? (1)
   (क) संज्ञा
   (ख) क्रिया
   (ग) विशेषण
   (घ) सर्वनाम

3. मालवीय जी को भारत भूषण किसने कहा था ? (1)
(क) गांधी जी ने
(ख) तिलक जी ने
(ग) गोखले जी ने
(घ) आम लोगों ने

4. महामना मालवीय जी अन्य नेताओं से भिन्न क्यों थे? (2)

5. गोखले की अपेक्षा मालवीय जी ने गाँधी को क्यों प्रभावित किया? (2)

2. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -** **[7]**

भारत के दक्षिणी भाग में से होकर भूमध्य-रेखा गुजरती है, और इसके दक्षिण में हिन्द महासागर, पूर्व में खाड़ी बंगाल तथा पश्चिम में अरब सागर स्थित है, अतः यह मानसूनी हवाओं का देश है। सागरों से उठी हुई पवनें उत्तर की ओर से बढ़कर हिमालय की चोटियों से टकरा कर लगभग सारे देश में वर्षा करती हैं। मेरा देश प्राकृतिक दृष्टि से विविध मौसमों का पुंज है। एक ओर तो हिमालय की अनेक चोटियाँ वर्ष-भर बर्फ से ढकी रहती हैं और वहाँ खूब सर्दी पड़ती है, तो दूसरी ओर भूमध्य-रेखा के निकट होने के कारण मद्रास आदि प्रदेशों में इतनी गरमी पड़ती है कि लोग वहाँ शीत ऋतु में भी बहुत कम वस्त्र धारण करते हैं। मेरे देश में एक ओर चेरापूँजी में संसार-भर में सबसे अधिक वर्षा होती है, तो दूसरी ओर राजस्थान का बहुत-सा भाग सूखा रहने के कारण मरुस्थल बना हुआ है। प्रकृति ने इस देश में गंगा, यमुना, सतलुज, व्यास, रावी, चिनाब, झेलम, गोदावरी, कावेरी, कृष्णा आदि अनेक बड़ी-बड़ी नदियों को बहाकर उसे शस्य-श्यामला बनाया है।

1. भारत में वर्षा कराने में किसका महत्व पूर्ण योगदान है? (1)
(क) सागरों से उठी हुई पवनें
(ख) मानसूनी हवाएँ
(ग) हिमालय की चोटियाँ
(घ) मरुस्थल

2. चेरापूँजी की क्या विशेषता हैं ? (1)
(क) यहाँ सबसे अधिक वर्षा होती है
(ख) यहाँ सबसे अधिक हरियाली होती है
(ग) यहाँ सबसे अधिक गर्मी होती है
(घ) यहाँ सबसे अधिक सर्दी होती है

3. उत्तर भारत में बहने वाली प्रमुख नदियाँ कौन-कौन सी हैं? (1)
(क) गंगा, यमुना, कावेरी, कृष्णा
(ख) झेलम, गोदावरी, कावेरी, कृष्णा
(ग) गोदावरी, कावेरी, कृष्णा, सतलुज
(घ) गंगा, यमुना, सतलुज, व्यास

4. भारत को किसका देश कहा गया है और क्यों? (2)

5. भारत विविध मौसमों का पुंज कैसे है? (2)

खंड ख - व्यावहारिक व्याकरण

3. **निम्नलिखित प्रश्नों में से निर्देशानुसार किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर दीजिए** **[2]**

(i) शब्द कब तक शब्द ही रहता है, पद नहीं कहलाता? शब्द तथा पद के एक-एक उदाहरण दीजिए। **[1]**

(ii) पद और पदबंध में क्या अंतर है? एक उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए। **[1]**

(iii) शब्द और पद का आपस में क्या संबंध है? **[1]**

4. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार या अनुनासिक का प्रयोग कर उन्हें मानक रूप में लिखिए - **[2]**

i. भयन्कर

ii. रगीला

iii. मुह

5. **निर्देशानुसार उत्तर लिखिए-** **[4]**

I. निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त उपसर्ग एवं मूल शब्द अलग करके लिखिए- (किन्ही दो) (2)

i. दुर्भाग्य

ii. दुर्लभ

iii. निर्विंद्व

II. निम्नलिखित मूल शब्दों में प्रत्यय जोड़कर बनने वाले शब्द लिखिए- (किन्ही दो) (2)

i. लड़ + आकू

ii. भूल + अक्कड़

iii. पालन + हार

6. निर्देशानुसार **किन्हीं तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **[3]**

i. संन्यास (संधि-विच्छेद कीजिए)

ii. प्रत्युत्तर (संधि-विच्छेद कीजिए)

iii. तथा + एव (संधि कीजिए)

iv. लंका + ईश (संधि कीजिए)

7. **निम्नलिखित वाक्यों में से किन्ही दो में उचित विराम-चिह्न लगाकर लिखिए-** **[2]**

i. देखा मैंने हाथ पाँव मारे तो डूबने से बच गया

ii. भई वाह इस बार तो तुम बी एस सी में प्रथम आ गए

iii. क्या पियोगे चाय या ठंडा शरबत

8. निर्देशानुसार **किन्हीं तीन** प्रश्नों का उत्तर दीजिए। **[3]**

i. ओह! कितनी ठंडी रात है। (अर्थ के आधार पर वाक्य भेद)

ii. यदि वर्षा आएगी तो धरती में नमी भी हो जाएगी। (अर्थ के आधार पर वाक्य भेद)

iii. क्या वह घूमने जाएगी? (आज्ञावाचक वाक्य)

iv. खुशबू! अंग्रेज़ी भी पढ़ो। (संदेहवाचक वाक्य)

खंड ग - गद्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

एवरेस्ट की तरफ गौर से देखते हुए, मैंने एक भारी बर्फ का बड़ा फूल (प्लूम) देखा, जो पर्वत-शिखर पर लहराता एक ध्वज-सा लग रहा था। मुझे बताया गया कि यह दृश्य शिखर की ऊपरी सतह के आसपास 150 किमी अथवा इससे भी अधिक की गति से हवा चलने के कारण बनता था, क्योंकि तेज हवा से सूखा बर्फ पर्वत पर उड़ता रहता था। बर्फ का यह ध्वज 10 किमी या इससे भी लंबा हो सकता था। शिखर पर जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति को दक्षिण-पूर्वी पहाड़ी पर इन तूफानों को झेलना पड़ता था, विशेषकर खराब मौसम में। यह मुझे डराने के लिए काफी था, फिर भी मैं एवरेस्ट के प्रति विचित्र रूप से आकर्षित थी और इसकी कठिनतम चुनौतियों का सामना करना चाहती थी।

(i) पर्वत शिखर पर फूल (प्लूम) कैसे बनता था?

क) वर्षा के द्वारा

ख) अत्यधिक गति से बर्फीली हवाओं के चलने से

ग) प्रकृति के द्वारा

घ) पर्वतारोहियों के द्वारा

(ii) अधिक गति से हवा चलने पर पर्वत पर क्या प्रतिक्रिया होती है?

क) सूखा बर्फ पर्वत पर उड़ता रहता है

ख) तूफान आने की संभावना बनी रहती है

ग) पर्वत टूटकर गिरने लगता है

घ) पर्वत छोटे-छोटे खंडों में बँट जाता है

(iii) शिखर पर जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति को कहाँ से आने वाले तूफानों को झेलना पड़ता है?

क) पूर्वी-दक्षिणी पहाड़ी से

ख) दक्षिणी-पश्चिमी पहाड़ी से

ग) उत्तर-पूर्वी पहाड़ी से

घ) दक्षिण-पूर्वी पहाड़ी से

(iv) लेखिका कठिनतम चुनौतियों का सामना क्यों करना चाहती थी?

क) एवरेस्ट के प्रति विचित्र रूप से आकर्षित होने के कारण

ख) स्वयं की योग्यता जाँचने के कारण

ग) स्वयं को श्रेष्ठ सिद्ध करने के कारण

घ) अपने पिता के सपने को पूरा करने के कारण

(v) गद्यांश के अनुसार, एवरेस्ट की खराब मासम म कसा स्थिति होती है?

क) काफी विषम परिस्थितियाँ होती हैं

ख) इनमें से कोई नहीं

ग) वहाँ हल्की-हल्की हवाएँ चलती हैं

घ) वहाँ का मौसम समान रहता है

10. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

(i) दुःख का अधिकार पाठ के आधार पर बताइए मनुष्य के जीवन में पोशाक का क्या महत्व है? **[2]**

(ii) उफ, तुम कब जाओगे, अतिथि? इस प्रश्न के द्वारा लेखक ने पाठकों को क्या सोचने पर विवश किया है? **[2]**

(iii) रामन् के लिए नौकरी संबंधी कौन सा निर्णय कठिन था? **[2]**

(iv) महादेव जी की लिखावट की क्या विशेषताएँ थी? शुक्र तारे के समान पाठ के आधार पर लिखिए। **[2]**

खंड ग - काव्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

11. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

"रहिमन पानी राखिए, बिनु पानी सब सून।
पानी गए न ऊबरै, मोती, मानुष, चून।।"

(i) प्रस्तुत दोहे में कवि ने किसके महत्त्व पर प्रकाश डाला है?

क) आटे के

ख) मोती के

ग) मनुष्य के

घ) पानी के

(ii) कवि ने पानी शब्द का प्रयोग कितने संदर्भों में किया है।

क) चार

ख) अनेक

ग) तीन　　　　　　　　　　घ) दो

(iii) कवि के अनुसार पानी का अत्यधिक महत्त्व क्यों है?

क) क्योंकि इसके बिना सब कुछ व्यर्थ है　　　　ख) क्योंकि इसके बिना जीवन संभव है

ग) क्योंकि इससे प्यास बुझती है　　　　घ) क्योंकि इससे सम्मान बढ़ता है

(iv) मोती के संदर्भ में पानी का क्या अर्थ है?

क) चमक　　　　ख) सम्मान

ग) जीवन　　　　घ) विनम्रता

(v) मनुष्य के संदर्भ में पानी का क्या अर्थ है?

क) धन　　　　ख) चमक

ग) मान-सम्मान　　　　घ) जल

12. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

(i) अनेक साधु-सन्तों के नाम लेकर कवि क्या स्पष्ट करना चाहते हैं? रैदास के पद के आधार पर लिखिए। **[2]**

(ii) दिल हल्का करने के लिए तटिनी क्या करती है? **गीत-अगीत** कविता के आधार पर उत्तर दीजिए। **[2]**

(iii) अग्निपथ के मुसाफिर को क्या शपथ लेनी चाहिए और क्यों? **[2]**

(iv) मुल्क की मशहूर अगरबत्तियाँ कहाँ बनती हैं? खुशबू रचते हैं हाथ कविता के आधार पर लिखिए। **[2]**

खंड ग - संचयन (पूरक पाठ्यपुस्तक)

13. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए:** **[8]**

(i) **गिल्लू** पाठ के आधार पर बताइए कि किस प्रकार गिल्लू ने स्वच्छंद विहार के साथ-साथ लेखिका का ध्यान अपनी ओर आकृष्ट करने में सफलता प्राप्त की? **[4]**

(ii) लेखक को कौन-सी पुस्तकें इनाम में मिलीं और इनका लेखक के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा? **मेरा छोटा सा पुस्तकालय** पाठ के संदर्भ में उत्तर दीजिए। **[4]**

(iii) मेरी रीढ़ में एक झुरझुरी-सी दौड़ गई- लेखक के इस कथन के पीछे कौन-सी घटना जुड़ी है? **कल्लू कुम्हार की उनाकोटी** पाठ के आधार पर लिखिए। **[4]**

खंड घ - रचनात्मक लेखन

14. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:** **[5]**

(i) **प्रकृति पर अगर गाज गिरती रहेगी** **[5]**
समझ लो मनुष्यता सिसकती रहेगी विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- मानव प्रकृति का अभिन्न अंग
- संतुलन बनाना
- तापमान वृद्धि में रोक

(ii) **गाँवों की बदलती तस्वीर** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। **[5]**

- रहन-सहन का स्तर
- शिक्षा और आधुनिकता
- भविष्य की संभावनाएँ

(iii) **मेरे सपनों का देश** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[5]**

- देश और देशवासियों का अनोखा संबंध
- मेरी कल्पनाओं का देश - खूबियाँ और मंज़िलें
- देश-निर्माण में बतौर नागरिक मेरा योगदान
- हमें किन प्रयासों की जरूरत है?

15. आपका मित्र वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम आया है। उसे शुभकामनाएँ देते हुए बधाई-पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

आपकी किसी चूक के कारण माँ आपसे नाराज हैं। उन्हें मनाने के लिए एक पत्र लिखिए।

16. दिए गए चित्र को देखकर लगभग 100 शब्दों में वर्णन कीजिए। **[5]**

17. आपके शहर में लाउडस्पीकर के बढ़ते शोर पर दो पड़ोसियों की बातचीत संवाद के रूप में लगभग **50-60** शब्दों में लिखिए। **[5]**

अथवा

बस में किसी अपरिचित से मित्रता करते हुए यात्रियों के बीच संवाद को लिखिए।

Solution

SAMPLE QUESTION PAPER - 2

Hindi B (085)

Class IX (2024-25)

खंड क - अपठित बोध

1. 1. (ख) महामना, भारतभूषण
   2. (ग) विशेषण
   3. (क) गांधी जी ने मालवीय जी को भारत भूषण कहा था।
   4. विशालता और रसमयता जैसे गुणों के कारण महामना मालवीय जी अन्य नेताओं से भिन्न थे।
   5. मालवीय की पवित्रता और सादगी, जो कि जल की स्फटिक निर्मल धारा के समान थी, के कारण गांधी जी को गोखले की अपेक्षा मालवीय जी ने प्रभावित किया।
2. 1. (ख) हिन्द महासागर,अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से उठती हवायें जब हिमालय की चोटियों से टकराती हैं तब भारत में वर्षा होती है, इस प्रकार ये मानसूनी हवाएँ वर्षा कराने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करती है।
   2. (क) चेरापूँजी भारत में स्थित एक ऐसी जगह है जहाँ संसार भर में सबसे अधिक वर्षा होती है।
   3. (घ) उत्तर भारत में बहने वाली प्रमुख नदियाँ गंगा, यमुना, सतलुज, व्यास, रावी, चिनाव, झेलम, गोदावरी, कावेरी, कृष्णा आदि हैं जिनके कारण से यह भारत भूमि हरी-भरी है।
   4. भारत को मानसूनी हवाओं का देश कहा गया है क्योंकि भारत के दक्षिणी भाग से होकर भूमध्य रेखा गुजरती है, इसके दक्षिण में हिन्द महासागर, पूर्व में बंगाल की खाड़ी तथा पश्चिम में अरब सागर स्थित है। जिनसे उठती हुई हवाओं के कारण भारत में मौसम बदलते हैं।
   5. हिमालय की अनेक चोटियाँ बर्फ से ढकी रहती हैं जिसके कारण खूब सर्दी पड़ती है वहीं दूसरी ओर भूमध्य रेखा के निकट होने के कारण मद्रास आदि प्रदेशों में इतनी भीषण गर्मी पड़ती है कि वहाँ के लोग सर्दियों में भी कम कपड़े पहनते हैं। चेरापूंजी में जहाँ अत्यधिक वर्षा होती है वहीं राजस्थान में सूखा पड़ने से मरुस्थल भी बन गया है इसलिए भारत को विविध मौसमों का पुंज कहा गया है।

खंड ख - व्यावहारिक व्याकरण

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से निर्देशानुसार किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर दीजिए

(i) जब तक वाक्य में शब्द का इस्तेमाल नहीं करते तब तक शब्द, शब्द ही रहता है, पद नहीं कहलाता। यहां पर श्याम वाक्य में प्रयोग होने की वजह से पद है।

उदाहरण- शब्द- मदन

पद - मदन पढ़ रहा है।

(ii) वाक्य में प्रयुक्त किसी स्वतंत्र तथा सार्थक ध्वनि समूह के व्यावहारिक एवं अनुशासित रूप को **पद** तथा वाक्य में व्याकरणिक कार्य करने वाले एक या इससे अधिक पदों के समूह को पदबंध कहते हैं।

उदाहरण-

i. पिताजी ने मेरे लिए पुस्तकें भेजी है; उपरोक्त वाक्य में पिताजी पद है।

ii. **गाँव से पिताजी** ने मेरे लिए पुस्तके भेजी हैं। यह वाक्य में रेखांकित वाक्यांश पदबंध है।

(iii) शब्द और पदों का आपस में व्याकरणिक संबंध है। बिना एक के दूसरे की कल्पना नहीं की जा सकती और न ही वाक्य निर्माण किया जा सकता है। बालक जब वाक्य के अन्य पदों से जुड़ता है तभी उसकी सार्थक पूर्ति होती है।

4. i. भयंकर
   ii. रँगीला
   iii. मुँह
5. उपसर्ग
   i. दुर्भाग्य = 'दुर्' उपसर्ग और 'भाग्य' मूल शब्द है |
   ii. दुर्लभ = 'दुर्' उपसर्ग और 'लभ' मूल शब्द है |
   iii. निर्द्वन्द्व = 'निर्' उपसर्ग और 'द्वंद्व' मूल शब्द है |

   प्रत्यय
   i. लड़ + आकू = लड़ाकू
   ii. भूल + अक्कड़ = भुलक्कड़
   iii. पालन + हार = पालनहार
6. i. सम् + न्यास
   ii. प्रति + उत्तर
   iii. तथैव
   iv. लंकेश
7. i. देखा, मैंने हाथ-पाँव मारे तो डूबने से बच गया।
   ii. भई वाह! इस बार तो तुम बी. एस-सी. में प्रथम आ गए।
   iii. क्या पियोगे-चाय या ठंडा शरबत?
8. i. विस्मयादिवाचक वाक्य
   ii. संकेतवाचक वाक्य
   iii. तुम घूमने जाओ।
   iv. संभव है खुशबू अंग्रेजी भी पढ़ लेती। अथवा शायद खुशबू अंग्रेजी भी पढ़ ले।

खंड ग - गद्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

एवरेस्ट की तरफ गौर से देखते हुए, मैंने एक भारी बर्फ का बड़ा फूल (प्लूम) देखा, जो पर्वत-शिखर पर लहराता एक ध्वज-सा लग रहा था। मुझे बताया गया कि यह दृश्य शिखर की ऊपरी सतह के आसपास 150 किमी अथवा इससे भी अधिक की गति से हवा चलने के कारण बनता था, क्योंकि तेज हवा से सूखा बर्फ पर्वत पर उड़ता रहता था। बर्फ का यह ध्वज 10 किमी या इससे भी लंबा हो सकता था। शिखर पर जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति को दक्षिण-पूर्वी पहाड़ी पर इन तूफानों को झेलना पड़ता था, विशेषकर खराब मौसम में। यह मुझे डराने के लिए काफी था, फिर भी मैं एवरेस्ट के प्रति विचित्र रूप से आकर्षित थी और इसकी कठिनतम चुनौतियों का सामना करना चाहती थी।

(i) **(ख)** अत्यधिक गति से बर्फीली हवाओं के चलने से

व्याख्या:

अत्यधिक गति से बर्फीली हवाओं के चलने से

(ii) **(ख)** तूफान आने की संभावना बनी रहती है

व्याख्या:

तूफान आने की संभावना बनी रहती है

(iii) **(घ)** दक्षिण-पूर्वी पहाड़ी से

व्याख्या:

दक्षिण-पूर्वी पहाड़ी से

(iv) **(क)** एवरेस्ट के प्रति विचित्र रूप से आकर्षित होने के कारण

व्याख्या:

एवरेस्ट के प्रति विचित्र रूप से आकर्षित होने के कारण

(v) **(क)** काफी विषम परिस्थितियाँ होती हैं

व्याख्या:

काफी विषम परिस्थितियाँ होती हैं

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:

(i) i. उसकी पोशाक ही समाज में उसका दर्जा तय करती है।
ii. पोशाक ही मनुष्य के उन्नति के बन्द दरवाजे खोल देती है।
iii. पोशाक व्यक्तियों को समाज की विभिन्न श्रेणियों में बाँटती है।

(ii) इस प्रश्न द्वारा लेखक ने पाठकों को यह सोचने पर मजबूर किया है कि अच्छा अतिथि कौन होता है? वह, जो पहले से अपने आने की सूचना देकर आए और एक-दो दिन मेहमानी कराके विदा हो जाए न कि वह, जिसके आगमन के बाद मेज़बान वह सब सोचने को विवश हो जाए, जो इस पाठ का मेज़बान निरन्तर सोचता रहा। उफ! शब्द द्वारा मेज़बान की उकताहट को दिखाया गया है।

(iii) रामन् उस जमाने के हिसाब से सरकारी विभाग में एक प्रतिष्ठित अफसर के पद पर तैनात थे। जहाँ उन्हें मोटी तनख्वाह के साथ-साथ अनेक सुविधाएँ भी उपलब्ध थीं। जब आशुतोष मुखर्जी ने रामन् के समक्ष कलकत्ता विश्वविघालय में प्रोफ़ेसर के पद को ग्रहण करने का प्रस्ताव रखा तब रामन् के लिए नौकरी संबंधी यह निर्णय कठिन था। प्रोफ़ेसर की नौकरी की तुलना में उनकी सरकारी नौकरी ज़्यादा वेतन तथा सुख-सुविधाओं से भरी थी। इस प्रकार उस नौकरी को छोड़कर विश्वविद्यालय में प्रोफेसर की नौकरी करने का फैसला भी बहुत कठिन था।

(iv) महादेव जी द्वारा अखबारों में लिखे कॉलम बेजोड़ होते थे। वे गाँधी जी की सीख को पूरी तरह अपनाते थे कि किसी से भी कटुतापूर्ण विवाद न किया जाए। सत्यनिष्ठा से निकले तर्क को भी शालीनता के साथ, विवेक पूर्वक प्रस्तुत किया जाए। यही महादेव भाई के लेख व लिखावट की विशेषताएँ थीं।

खंड ग - काव्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

11. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

"रहिमन पानी राखिए, बिनु पानी सब सून।
पानी गए न ऊबरै, मोती, मानुष, चून।।"

(i) **(घ)** पानी के

व्याख्या:

पानी के

(ii) **(ग)** तीन

व्याख्या:

तीन

(iii) **(क)** क्योंकि इसके बिना सब कुछ व्यर्थ है

व्याख्या:

क्योंकि इसके बिना सब कुछ व्यर्थ है

(iv) **(क)** चमक

व्याख्या:

चमक

(v) **(ग)** मान-सम्मान

व्याख्या:

मान-सम्मान

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:

(i) कवि कबीर, नामदेव, त्रिलोचन, सधना, सैन जैसे गरीब व निम्न कोटि के व्यक्तियों को संत का सम्मान दिलाने के ईश्वरीय कृपा के गुण को बताकर प्रभु की महिमा का वर्णन करना चाहता है।

(ii) दिल हल्का करने के लिए तटिनी नदी वियोग के गीत गाती हुई तीव्र वेग से प्रवाहित होती है। वह अपने मन की व्यथा को हल्का करने के लिए किनारों के साथ संवाद करती है। उसका बहता पानी जब किनारों से टकराता है, तो उससे एक प्रकार की गूँज उठती है।

(iii) अग्निपथ के मुसाफिर को संघर्ष के रास्ते पर चलते रहने की शपथ लेनी चाहिए। तभी वह अपने लक्ष्य पर पहुँच पाएगा। वह जीवन भर संघर्ष से थकेगा नहीं। चाहे अनगिनत कठिनाइयाँ घेर लें। परन्तु वह जीवन रूपी पथ पर चलकर अपनी मंजिल को प्राप्त करेगा।

(iv) देश की मशहूर खुशबूदार अगरबत्तियाँ जहाँ बनती हैं, वहाँ गन्दगी होती है। ये अगरबत्तियाँ चारों तरफ़ बदबू से भरी बस्तियों तथा कूड़े के ढेर वाली गलियों में बसे गंदे मोहल्लों में बनती हैं।

खंड ग - संचयन (पूरक पाठ्यपुस्तक)

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए:

(i) गिल्लू के जीवन का पहला वसंत आया। कुछ गिलहरियाँ खिड़की की जाली के पास आकर चिक-चिक करने लगीं। गिल्लू भी प्यार से बाहर झाँकने लगा। महादेवी ने उसकी जाली का एक कोना खोलकर उसे जाने का रास्ता दे दिया। उसने मुक्ति की साँस ली। महादेवी जी के कमरे के अंदर आने पर गिल्लू उनके सिर से पाँव तक दौड़ लगाने लगता। यह उसका रोज का नियम बन गया था। अब गिल्लू अपने साथियों का नेता बन गया। वह दिन भर पेड़ों की डालों पर उछलता-कूदता रहता था। ठीक चार बजे वह वापस अपनी जाली में आ जाता था। उसमें लेखिका को चौंकाने की इच्छा जाग गई थी इसलिए वह कभी फूलदान में छिप जाता था तो कभी परदे की चुन्नट में छिप

जाता था। इस प्रकार यह स्पष्ट हो जाता है कि मानव हो या जीव-जंतु, अपने अपनत्वपूर्ण व्यवहार से सबका ध्यान अपनी ओर आकृष्ट करने में सफलता प्राप्त कर सकता है।

(ii) जब लेखक अपने पिता के आशीर्वाद और अपने परिश्रम के बल पर पाँचवीं कक्षा में प्रथम आया तो इनाम के रूप में उसे अंग्रेजी की दो पुस्तकें मिलीं। एक में पक्षियों की जातियों, उनकी बोलियों, उनकी आदतों संबंधी जानकारी थी, जबकि दूसरी किताब 'ट्रस्टी द रग' थी, जिसमें पानी के जहाज़ों की कथाएँ थीं। जहाज़ कितने प्रकार के होते हैं, कौन-कौन सा माल लादकर कहाँ से लाते, कहाँ ले जाते हैं, नाविकों की ज़िंदगी कैसी होती है, कैसे-कैसे द्वीप मिलते हैं, कहाँ व्हेल होती है, कहाँ शार्क होती है, आदि सभी जानकारी इसमें थी। इन दोनों किताबों ने लेखक के लिए मानो एक नई दुनिया के द्वार खोल दिए। पिताजी ने उन पुस्तकों को रखने के लिए अलमारी का एक खाना खाली कर दिया था और लेखक को उसे लाइब्रेरी बनाने के लिए कहा। ये दो किताबें लेखक में लाइब्रेरी बनाने का शौक जगा गई। पढ़ने का शौक और नई-नई पुस्तकों के संचयन ने एक बड़ी समृद्ध लाइब्रेरी का रूप ले लिया।

(iii) त्रिपुरा के हिंसाग्रस्त मुख्य मार्ग में प्रवेश करने से पहले लेखक टीलियामुरा गया। वहाँ उन्होंने मुख्य सचिव और आई.जी.सी.आर.पी.एफ से शूटिंग करने के लिए आगे चलने का निवेदन किया। लेखक अपनी शूटिंग में इतना व्यस्त था कि उसे वहां पर कोई डर महसूस ही नहीं हुआ। फिर जब उनको सुरक्षा प्रदान कर रहे सी.आर.पी.एफ के एक जवान ने पहाड़ियों पर रखे दो पत्थरों की तरफ उनका ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि दो दिन पहले उनका एक जवान यहाँ विद्रोहियों द्वारा मार डाला गया था, यह सुनकर लेखक की रीढ़ में एक झुरझुरी-सी दौड़ गयी और शेष यात्रा में वह यह ख्याल अपने दिल से नहीं निकाल पाया कि हमें घेरे हुए शांतिपूर्ण दिखाई देने वाले जंगलों में बन्दूक लिए विद्रोही भी छिपे हो सकते है।

खंड घ - रचनात्मक लेखन

14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

(i) मानव प्रकृति का एक अभिन्न अंग है। हमारी भलाई प्रकृति की भलाई पर निर्भर करती है। प्रकृति पर गाज गिरने का अर्थ है कि हम प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन कर रहे हैं, प्रदूषण फैला रहे हैं और जलवायु परिवर्तन को बढ़ावा दे रहे हैं।

प्रकृति और मानव के बीच एक संतुलन होना आवश्यक है। यदि हमने इस संतुलन को बिगाड़ा तो इसके गंभीर परिणाम होंगे। तापमान में वृद्धि, समुद्र का जलस्तर बढ़ना, प्राकृतिक आपदाएँ और जैव विविधता का क्षरण जैसे समस्याएँ पहले से ही सामने आ रही हैं।

यदि हमने समय रहते कदम नहीं उठाए तो आने वाले समय में मानवता को गंभीर संकट का सामना करना पड़ेगा। हमें प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करना होगा, प्रदूषण को कम करना होगा और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को अपनाना होगा। तापमान वृद्धि में रोक लगाने के लिए वैश्विक स्तर पर एकजुट होकर काम करना होगा।

अंत में, याद रखें कि प्रकृति हमारा घर है। हमें इसे बचाना है तो हमें अपनी आदतों में बदलाव लाना होगा।

(ii) गाँवों की बदलती तस्वीर

गाँवों में बदलाव आ रहा हे। वे तरक्की की राह पर आगे बढ़ रहे हैं। लग्जरी और महंगी गाड़ियाँ, आलीशान मकान गाँवों की शोभा बढ़ा रहे हैं। हर घर में टेलीविजन पहुँच रहा है। महंगे मोबाइल फोन गाँवों के लोगों के हाथों में देखे जा सकते हैं। चूल्हे की जगह गैस और गोबर गैस ले रही हैं। कुछ साल पहले तक शहरों के बड़े घरों में लगने वाली फाल सिलिंग अब गाँव के लोग भी लगवाने लगे हैं। किसी ने सच ही तो कहा है कि गाँवों की तरक्की से ही देश की तरक्की मुमकिन है और शहरी चमकदमक वक्त के साथ अब गाँवों में भी देखने को मिल रही है। बैलगाड़ी व ऊंटगाड़ी को अब ट्रैक्टरट्रैलियों ने पीछे छोड़ दिया है। गाँव के पास ही कारखाना लगने से कई नौजवानों को इस में कामधंधा मिला है। इस से लोगों के घरों में पैसा आने लगा, जिस से गाँव वाले अपनी कमाई का एक बड़ा हिस्सा बच्चों की पढ़ाई-लिखाई पर खर्च करते हैं। इस से देखते ही देखते गाँव की सूरत बदल गई है पिछले 20 सालों से देश में आई संचार क्रांति के साथ ही मौडर्न खेतीबारी ने गाँव की जिंदगी की तस्वीर ही बदल कर रख दी है।

पहले के जो गाँव थे वह गाँव शिक्षा के छेत्र में पिछड़े हुए थे लेकिन अब लगभग सभी गाँवों में स्कूल खुल चुके हैं और गाँव के लोगों को आसानी से शिक्षा प्राप्त हो रही है । पहले जब गाँव के बच्चो को पढ़ाना होता था तो उनको शहर पढ़ने के लिए भेजा जाता था। लेकिन अब सभी गाँव मैं ही स्कूल खुल गए हैं जहां पर सभी बच्चे पढ़ सकते हैं, बच्चों के साथ साथ गाँव के लोगो को भी प्रौढ़ शिक्षा दी जाती हैं जिससे गाँव का किसान शिक्षित होगा । पुराने जमाने में शहर के लोग ही सफलता प्राप्त करते थे लेकिन आज के जमाने में गाँव के सभी लोग सफलता की ओर बढ़ रहे हैं । गाँव के बच्चे गाँव में पढ़ाई कर शहर में ग्रेजुएशन करने के बाद सरकारी नौकरी की तैयारी कर नौकरियां करने लगे हैं जिससे किसान का विकास हो रहा है। खेती के साथ साथ रोजगार भी मिल रहा है । शहरों के साथ साथ हमारे देश के गाँव का भी विकास हुआ है और गाँव के किसान अपनी जिंदगी खुशी से जी रहे हैं। हमारे देश को समृद्धशाली देश बनाने के लिए हमें हमारे गाँव के किसानों को समृद्धशाली बनाना होगा जिससे हमारा देश विकासशील देश बन सकेगा । वास्तव मे गाँव का स्वरूप तेजी से बदल रहा हैं।

(iii) मेरे सपनों का देश, विशेष संकेत बिंदुओं पर आधारित है, जो मेरी कल्पनाओं को नए आयाम देते हैं। देश और देशवासियों के बीच एक अनोखा संबंध होना चाहिए, जो सहयोग, समर्थन और समरसता पर आधारित है। मेरा सपना मेरे देश को एक सशक्त, समृद्ध और सहानुभूति-पूर्ण समाज बनाने की है, जहाँ हर व्यक्ति को अपने कौशल के अनुसार मौका मिले।

मेरी कल्पनाएँ देश की खूबियों और मंजिलों की ओर दिशा में मुझे प्रेरित करती हैं। देश-निर्माण में, मैं एक जागरूक और जिम्मेदार नागरिक के रूप में योगदान करना चाहता हूँ, जो सामाजिक सुधार, शिक्षा, स्वच्छता, और सामर्थ्य के क्षेत्र में सक्रिय रहूँ।

हमें एक सजीव समाज बनाने के लिए साझा प्रयास करने की आवश्यकता है, जो असमानता, भ्रष्टाचार, और जातिवाद के खिलाफ खड़ा हो। हमें शिक्षा के क्षेत्र में सुधार कर नये दिशानिर्देश स्थापित करने, युवाओं को रोज़गार के अवसर प्रदान करने, और गरीबी को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध रहने की आवश्यकता है।

सपनों का देश वह होता है जो अपने नागरिकों को जीवन के हर क्षेत्र में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का अवसर प्रदान करता है।

15. 275/बी-5,
शांति निकेतन, दिल्ली।
02 मार्च, 2019
प्रिय मित्र गोविन्द,
मधुर स्मृतियाँ।
आशा है कि तुम प्रसन्न होगे। तुम्हारा पत्र मिला। पत्र में यह पढ़कर बड़ी प्रसन्नता हुई कि तुमने अंतर विद्यालयी वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इस अवसर पर मैं तुम्हें अपनी शुभकामनाएँ एवं बधाई दे रहा हूँ।
मित्र, मैंने देखा है कि तुम बचपन से ही अपनी बात को अत्यंत दृढ़ता से कहते थे। तुम्हारी बातों में तार्किकता और सत्यता होती थी, जिसे तुम अत्यंत आत्मविश्वास से कहते थे। तुमने ज़रूर आत्मविश्वास से लबरेज हो अपनी बातें सामने रखी होंगी कि अन्य प्रतिभागी तुम्हारा मुँह देखते रह गए होंगे। याद करो, मैं कहा करता था कि तुम्हारी यह वाकू पटुता तुम्हें सफलता दिलाने में सहायक होगी। वह बात सही निकली। मेरी कामना है कि तुम सफलता की नित नई ऊँचाइयों को छुओ। इस सफलता के लिए एक बार पुनः हार्दिक शुभकामनाएँ।
अपने माता-पिता को मेरा प्रणाम एवं शैली को स्नेह कहना। शेष सब ठीक है। पत्रोत्तर शीघ्र देना।
पत्रोत्तर की आशा में,
तुम्हारा अभिन्न मित्र,
गौतम सिंह

अथवा

परीक्षा भवन,
आगरा
दिनांक 16 जनवरी 20XX
आदरणीय माता जी,
सादर चरण स्पर्श,
माँ कुछ दिनों पहले अर्द्धवार्षिक परीक्षा में मुझसे एक गलती हो गई। मेरी गणित विषय की तैयारी अच्छी न होने के कारण मैं बहुत तनाव में था। गणित में नंबर अच्छे लाने के लिए मैंने नकल करने जैसी बहुत बड़ी गलती कर डाली। मैं अपनी इस गलती के लिए अत्यधिक लज्जित हूँ।
माँ मैंने जो गलती की है उससे आज तक उबर नहीं पाया हूँ। पास होने के लिए मैंने गलत रास्ता स्वीकार किया वह अत्यंत ही शर्मनाक है। अपनी इस गलती के लिए माँ, मैं आपसे माफी माँगना चाहता हूँ। आपके सामने अपनी गलती स्वीकार करने में लज्जित महसूस कर रहा हूँ। माँ, मुझे इस बात का बड़ा ही दुःख है कि मैं आपके दिये गए संस्कारों का मान नहीं रख पाया। माँ मैं आपसे माफी चाहता हूँ। मुझे माफ कर दीजिए।
मैं वादा करता हूँ ऐसी गलती दुबारा नहीं होगी। माँ इस पत्र द्वारा मैं अपने भावों को स्पष्ट करने की हिम्मत जुटा पाया हूँ। आशा है, आप मुझे माफ कर देंगी।
आपका पुत्र,
क. ख. ग.।

16. प्रस्तुत चित्र में जल-प्रदूषण को प्रभावित करने वाली स्थिति को दर्शाया गया है। इस चित्र में एक व्यक्ति कपड़े धो रहा है, कुछ जानवर नहा रहे हैं, नाले का पानी नदी में गिर रहा है और कारखानों से निकलने वाले रसायन आदि अपशिष्ट पदार्थ भी नदी में गिर रहे हैं। हम सभी जानते हैं कि इन सब से नदी का पानी दूषित होता है। जल के बिना मनुष्यों का जीवन संभव नहीं है और नदियों का जल मुख्य स्त्रोत है। नदियों के जल को प्रदूषित होने से बचाने के लिए हमें समय रहते अपनी इन गलतियों को सुधारना होगा, अन्यथा इसके दुष्प्रभाव बहुत भयानक होंगे। हमें प्रदूषणों को को फैलने से रोकना चाहिए।

17. **पहला पड़ोसी** - "आजकल लाउडस्पीकर का शोर बहुत ज्यादा हो गया है। रात-दिन शोरगुल होता रहता है।"
दूसरा पड़ोसी - "हाँ, यह सच है। इस शोर से बहुत परेशानी होती है और यह कई मायनों में हानिकारक है।"
पहला पड़ोसी - "कल रात को तो मुझे नींद ही नहीं आई।"
दूसरा पड़ोसी - "मेरे बच्चे भी इस शोर से डर जाते हैं।"
पहला पड़ोसी - "हमें कुछ करना होगा।"
दूसरा पड़ोसी - "हाँ, हमें मिलकर इस शोर को कम करने का प्रयास करना चाहिए।"
पहला पड़ोसी - "हम पहले तो उन लोगों से बात करेंगे जो लाउडस्पीकर का इस्तेमाल करते हैं।"
दूसरा पड़ोसी - "अगर वे नहीं मानते हैं तो हमें पुलिस से शिकायत करनी होगी।"

अथवा

पहला यात्री - भाई साहब! यह बस कहाँ तक जा रही है?
दूसरा यात्री - आपको कहाँ जाना है भाई ?
पहला यात्री - मुझे तो करनाल जाना है।
दूसरा यात्री - आ जाओ भाई, बस करनाल तक ही जा रही है। जल्दी करो, चलने ही वाली है।
पहला यात्री - पहले टिकट तो ले लें।
दूसरा यात्री - आप आ जाइए। बस कंडक्टर ने बस में ही टिकट देने को कहा है।
पहला यात्री - ठीक है, आप मेरे लिए एक सीट रखिए, जब तक मैं आ रहा हूँ।
दूसरा यात्री - करनाल में आप किसी कार्य से जा रहे हैं और वहाँ किस जगह ठहरेंगे?
पहला यात्री - मेरे मित्र का गृहप्रवेश है। अतः मेरा जाना आवश्यक था। वहीं जा रहा हूँ।
दूसरा यात्री - क्या इत्तफ़ाक की बात है। मैं भी अपने मित्र के गृहप्रवेश में ही जा रहा हूँ।
पहला यात्री - (कुछ समय पश्चात्) चलिए उतरते हैं। करनाल आ गया। देर हो रही है। अब तो मित्र से सीधा बैंक्वेट हॉल में ही मिलना होगा ।
दूसरा यात्री - आपको कौन-से बैंक्वेट हॉल में जाना है?
पहला यात्री - आशियाना बैंक्वेट हॉल बताया था मेरे मित्र ने।
दूसरा यात्री - अरे! मैं भी तो वहीं जा रहा हूँ।
पहला यात्री - अच्छा ! तो आप भी मि. शर्मा के घर जा रहे हैं।
दूसरा यात्री - हाँ भाई, मैं भी वहीं जा रहा हूँ। वह मेरे परम मित्र हैं।
पहला यात्री - अरे! वह तो मेरे भी परम मित्र हैं। अब तो हमारी भी मित्रता हो गई। चलिए साथ ही चलते हैं।